Literacy for a Billion

Movie: An Evening In Paris
Year: 1967

Song: Akele Akele Kahan Ja Rahe Ho
Lyricist: Hasrat Jaipuri

अकेले अकेले
अकेले अकेले
कहाँ जा रहे हो
रहे हो रहे हो

अकेले अकेले
कहाँ जा रहे हो
हमें साथ ले लो
जहाँ जा रहे हो

अकेले अकेले
कहाँ जा रहे हो
हमें साथ ले लो
जहाँ जा रहे हो

अकेले अकेले
कहाँ जा रहे हो

कोई मिट रहा है
तुम्हें कुछ पता है
कोई मिट रहा है
तुम्हें कुछ पता है

तुम्हारा हुआ है
तुम्हें कुछ पता है
तुम्हारा हुआ है
तुम्हें कुछ पता है

ये क्या माजरा है
तुम्हें कुछ पता है
अकेले अकेले
कहाँ जा रहे हो
हमें साथ ले लो
जहाँ जा रहे हो

अकेले अकेले
कहाँ जा रहे हो

तड़पता ना छोड़ो
मेरी जान हो तुम
तड़पता ना छोड़ो
मेरी जान हो तुम

ये मुखड़ा ना मोड़ो
मेरी जान हो तुम
ये मुखड़ा ना मोड़ो
मेरी जान हो तुम

मेरा दिल ना तोड़ो
मेरी जान हो तुम

अकेले अकेले
कहाँ जा रहे हो

हमें साथ ले लो
जहाँ जा रहे हो

अकेले अकेले
कहाँ जा रहे हो
हमें साथ ले लो
जहाँ जा रहे हो

अकेले अकेले
कहाँ जा रहे हो

कोई रोक लेगा
तो फिर क्या करोगे
कोई रोक लेगा
तो फिर क्या करोगे

क़दम थाम लेगा
तो फिर क्या करोगे
क़दम थाम लेगा
तो फिर क्या करोगे
खुशामद करेगा
तो फिर क्या करोगे

अकेले अकेले
कहाँ जा रहे हो
हमें साथ ले लो
जहाँ जा रहे हो

अकेले अकेले
कहाँ जा रहे हो
हमें साथ ले लो
जहाँ जा रहे हो

अकेले अकेले
अकेले अकेले
कहाँ जा रहे हो
रहे हो रहे हो

अकेले अकेले
अकेले अकेले
कहाँ जा रहे हो
रहे हो रहे हो

Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.

PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.